भारत की कम्युनिस्ट पार्टी(माओवादी)

केन्द्रीय कमेटी

प्रेस विज्ञप्ति **14 मार्च, 2022**

भाकपा (माओवादी) के केंद्रीय कमेटी सदस्य कॉमरेड् कंचन दा(अरुण कुमार भट्टाचार्य) की गिरफ्तारी की निंदा करें, उनकी रिहाई के लिए संघर्ष करें!

भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) की केंद्रीय कमेटी अपने सदस्य कॉमरेड् कंचन दा(अरुण कुमार भट्टाचार्य), कॉमरेड् आकाश उरंग(राहुल/काजल) की असोम के उदरबंद एरिया के एक चाय बगान से गिरफ्तारी की कडी निंदा करती है और जनवादियों, मानवाधिकार संगठनों व देश की जनता से अपील करती है कि वे इसका कड़ा विरोध करें एवं उनकी रिहाई के लिए आवाज उठाएं.

कॉमरेड् कंचन दा जोकि पार्टी के सीनियर कार्यकर्ता हैं, 2004 में तत्कालीन भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी–लेनिनवादी) (पीपुल्स वार) और माओवादी कम्युनिस्ट केंद्र के विलय से गठित भारत की कम्युनिस्ट पार्टी(माओवादी) के केंद्रीय कमेटी सदस्य चुने गए थे. 2007 में आयोजित हमारी पार्टी की एकता कांग्रेस–9वीं कांग्रेस में वे फिर से केंद्रीय कमेटी में चुने गए थे. वे बिहार–झारखंड स्पेशल एरिया कमेटी के इलाकों में मजदूरों के बीच में लंबे समय से काम करते रहे. गिरफ्तारी के समय वे पश्चिम बंगाल और असोम के पार्टी मामलों को भी देख रहे थे. उम्र के 72 वर्ष के पड़ाव पर वे पार्टी द्वारा सौंपी गयी जिम्मेदारियों को सक्रियता से निभा रहे थे.

हमारी पार्टी, पीएलजीए, देश के क्रांतिकारी आंदोलन को खत्म करने के लिए भारत सरकार फासीवादी सैनिक 'समाधान–प्रहार' हमलें बड़े पैमाने पर संचालित कर रही है. नेतृत्व को निशाना बनाकर किए जा रहे इन हमलों का हिस्सा है, कॉमरेड् कंचन दा की गिरफ्तारी. हमारी केंद्रीय कमेटी देश, दुनिया की क्रांतिकारी पार्टियों, जनवादी, मानवाधिकार संगठनों, प्रगतिशील–देशभक्त ताकतों से अपील करती है कि वे वर्तमान में जारी समाधान हमलों का विरोध करें एवं कॉमरेड् कंचन दा सहित तमाम राजनीतिक कैदियों की रिहाई के लिए संघर्ष करें. कॉमरेड् कंचन दा की बीमारियों के लिए बेहतर चिकित्सा उपलब्ध कराने की भी मांग करने केंद्रीय कमेटी अपील करती है.

अभय

(अभय)
प्रवक्ता,